भारत सरकार
विदेश मंत्रालय

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या 786
दिनांक 26.07.2024 को उत्तर दिए जाने के लिए

विदेश में भारतीय छात्रों की मृत्यु

786. **श्री कोडिकुन्नील सुरेशः**

क्या **विदेश** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) वर्ष 2019 से अब तक विभिन्न उच्च शिक्षा संस्थानों से शिक्षा प्राप्त कर रहे भारतीय छात्रों की विदेश में मृत्यु हो जाने का देश–वार ब्यौरा क्या है तथा इसके क्या कारण है;

(ख) क्या सरकार ने विदेश में अध्ययन कर रहे भारतीय छात्रों की सुरक्षा और कल्याण सुनिश्चित करने के लिए कोई कदम उठाए हैं; और

(ग) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण है?

उत्तर
विदेश राज्य मंत्री
[श्री कीर्ति वर्धन सिंह]

(क) मंत्रालय के पास उपलब्ध सूचना के अनुसार, पिछले पांच वर्षों में प्राकृतिक कारणों, दुर्घटनाओं और चिकित्सा स्थितियों सहित विभिन्न कारणों से विदेश में भारतीय छात्रों की मृत्यु की 633 घटनाएं सामने आई हैं। विदेश में भारतीय छात्रों की मृत्यु का देश–वार ब्यौरा 'अनुबंध–क' में दिया गया है।

(ख) एवं (ग) विदेशों में भारतीय छात्रों को सुरक्षा प्रदान करना भारत सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में से एक है। विदेशों में स्थित भारतीय मिशन/केंद्र विदेशों में स्थित विश्वविद्यालयों में नामांकित भारतीय छात्रों के साथ नियमित संपर्क बनाए रखते हैं। यह तब शुरू होता है जब विदेशी विश्वविद्यालयों में नामांकित नए भारतीय छात्रों को विदेशों में स्थित भारतीय मिशन/केंद्रों द्वारा आयोजित स्वागत समारोह में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया जाता है। भारतीय मिशन/केंद्रों के प्रमुख अभिविन्यास कार्यक्रम आयोजित करते हैं और उन्हें विदेशी भूमि में अपने प्रवास के दौरान आने वाली चुनौतियों और खतरों, यदि कोई हों, के बारे में जानकारी देते हैं और बताते हैं कि कैसे प्रतिक्रियात्मक

उपाय किए जाएं। भारतीय मिशन/केंद्रों के प्रमुख और अन्य वरिष्ठ दूतावास अधिकारी भी भारतीय छात्रों और भारतीय छात्र संघों के साथ नियमित रूप से बातचीत करने के लिए अपने–अपने मान्यता प्राप्त देशों में विदेशी विश्वविद्यालयों और शैक्षणिक संस्थानों का दौरा करते हैं।

विदेश स्थित भारतीय मिशन/केंद्र उच्च शिक्षा के लिए विदेश जाने वाले भारतीय छात्रों को अपने यहां तथा मदद पोर्टल पर पंजीकरण कराने के लिए प्रोत्साहित करते हैं, ताकि उनकी शिकायतों तथा लंबित मुद्दों का समयबद्ध तरीके से समाधान किया जा सके। विदेश स्थित भारतीय मिशन/केंद्र भारतीय छात्रों को नियमित आधार पर संपर्क में रहने तथा उनके समक्ष लंबित मुद्दों का प्राथमिकता के आधार पर समाधान करने के लिए हर संभव प्रयास करने के लिए प्रोत्साहित करते हैं। छात्रों की शिकायतों का टेलीफोन कॉल, वॉक–इन, ईमेल, सोशल मीडिया, 24x7 आपातकालीन हेल्पलाइन, ओपन हाउस तथा मदद पोर्टल के माध्यम से लगभग वास्तविक समय के आधार पर समाधान किया जाता है। विदेश स्थित भारतीय छात्रों से प्राप्त किसी भी शिकायत को अपेक्षित कार्रवाई के लिए संबंधित विश्वविद्यालय/संस्थान तथा मेजबान सरकार के समक्ष उठाया जाता है।

विदेश में भारतीय मिशन/केंद्रों द्वारा अप्रिय घटनाओं के मामलों को तुरंत मेजबान देश के संबंधित अधिकारियों के समक्ष उठाया जाता है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि उनकी उचित जांच की जाए और अपराधियों को दंडित किया जाए। आपात स्थिति या संकट की स्थिति के दौरान, विदेश में भारतीय मिशन/केंद्र संकटग्रस्त/फंसे हुए भारतीय छात्रों को भोजन, आश्रय, दवाइयाँ प्रदान करके सक्रिय रूप से मदद करते हैं और जल्द से जल्द उनकी भारत वापसी/निकासी सुनिश्चित करते हैं। हाल ही में, दुनिया भर के देशों से वंदे भारत मिशन, ऑपरेशन गंगा और ऑपरेशन अजय के माध्यम से फंसे हुए भारतीय छात्रों को भारत लाया गया।

अनुबंध–क

पिछले 5 वर्षों में भारतीय छात्रों की मृत्यु से संबंधित मामलों पर प्राप्त देशवार जानकारी

क्र.सं.	देश	मृत भारतीय छात्रों की कुल संख्या	हमलों के कारण हुई मौतों की संख्या
1.	ऑस्ट्रेलिया	57	1
2.	बेल्जियम	1	0
3.	चीन	8	1
4.	कनाडा	172	9
5.	मिस्र	2	0
6.	गैबोरॉन	1	0
7.	जर्मनी	24	0
8.	इटली	18	0
9.	आयरलैंड	2	0
10.	पाकिस्तान	1	0
11.	ताइवान	4	0
12.	कजाखस्तान	7	0
13.	किर्गिज़स्तान	12	1
14.	मॉरीशस	1	0
15.	न्यूज़ीलैंड	6	0
16.	रूस	37	0
17.	सिंगापुर	3	0
18.	कतर	6	0
19.	स्पेन	3	0
20.	ताजिकिस्तान	1	0
21.	यूक्रेन	18	0
22.	यूके	58	1
23.	यूएसए	108	6

24.	संयुक्त अरब अमीरात	3	0
25.	उज़्बेकिस्तान	2	0
26.	आर्मेनिया	7	0
27.	जॉर्जिया	12	0
28.	साइप्रस	12	0
29.	दक्षिण कोरिया	2	0
30.	फिलिपींस	7	0
31.	चेक गणराज्य	1	0
32.	ईरान	1	0
33.	सऊदी अरब	18	0
34.	फ्रांस	6	0
35.	फिनलैंड	2	0
36.	हंगरी	1	0
37.	स्विट्ज़रलैंड	1	0
38.	मोलदोवा	2	0
39.	दक्षिण अफ्रीका	1	0
40.	सूरीनाम	1	0
41.	नीदरलैंड	4	0
कुल		**633**	**19**

*****